इकाई 15 मिश्र वाक्य 2

इकाई की रूपरेखा

15.0 उद्देश्य
15.1 प्रस्तावना
15.2 विशेषण उपवाक्य
  15.2.1 विशेषण उपवाक्य की संरचना
  15.2.2 संबंधवाचक सर्वनाम 'जो'
  15.2.3 विशेषण उपवाक्य के प्रकार
15.3 क्रियाविशेषण उपवाक्य
  15.3.1 क्रियाविशेषण उपवाक्य की संरचना
  15.3.2 क्रियाविशेषण उपवाक्य के प्रकार
15.4 सारांश
15.5 शब्दावली
15.6 कुछ उपयोगी पुस्तकें
15.8 बोध प्रश्नों/अभ्यासों के उत्तर

15.0 उद्देश्य

आप हिंदी संरचना खंड की 15वीं इकाई पढ़ने जा रहे हैं। इससे पहले वाली इकाई में आप मिश्र वाक्य-1 के अंतर्गत संज्ञा उपवाक्य के बारे में पढ़ चुके हैं। इस इकाई में हम आपको मिश्र वाक्य 2 के अंतर्गत विशेषण उपवाक्यों और क्रियाविशेषण उपवाक्यों का परिचय दे रहे हैं।

इस इकाई को पढ़कर आप :

- विशेषण उपवाक्य की संरचना को समझा सकेंगे,
- वर्णनात्मक और निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्यों के बीच अंतर बता सकेंगे,
- संबंधवाचक सर्वनाम 'जो' के विभिन्न विकारी रूपों को समझा सकेंगे,
- क्रियाविशेषण उपवाक्य की संरचना को समझा सकेंगे,
- विभिन्न प्रकार के क्रियाविशेषण उपवाक्यों के बीच अंतर बता सकेंगे,
- विशेषण उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्यों के बीच अंतर बता सकेंगे।

15.1 प्रस्तावना

आप पिछली इकाई 14 में पढ़ चुके हैं कि मिश्र वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और एक या अधिक गौण उपवाक्य होते हैं, जैसे :

1) [मैं जानता था] [कि] [आप नहीं आएँगे।]
2) [मेरे पास एक घड़ी है] [जो] [बैटरी से चलती है।]
3) [मैं कल कॉलेज नहीं आ सकता] [क्योंकि] [मैं बीमार हूँ।]

आप यह भी पढ़ चुके हैं कि इन तीनों वाक्यों का पहला उपवाक्य मुख्य उपवाक्य कहलाता है क्योंकि इससे अर्थ का जो बोध होता है वह अपने में स्वतंत्र है। दूसरे शब्दों में, यह अपने अर्थ की पूर्ति के लिए दूसरे उपवाक्य पर आश्रित नहीं है, इसीलिए इसे स्वतंत्र

उपवाक्य भी कहते हैं। इन तीनों वाक्यों का दूसरा उपवाक्य *गौण* उपवाक्य कहलाता है क्योंकि यह अपने अर्थ की पूर्ति के लिए मुख्य उपवाक्य पर आश्रित रहता है। इसीलिए इसे *आश्रित उपवाक्य* भी कहते हैं। उदाहरण के लिए, वाक्य (1) में "कि आप नहीं आएँगे" का अर्थ तब तक अपूर्ण रहेगा जब तक इससे पूर्व "मैं जानता था" उपवाक्य न जोड़ा जाए, जो एक मुख्य उपवाक्य है। अतः हर *गौण उपवाक्य हमेशा एक मुख्य उपवाक्य की अपेक्षा करता है।*

आप यह भी पढ़ चुके हैं कि वाक्य (1) की कोटि के गौण उपवाक्य को *संज्ञा उपवाक्य* कहते हैं, वाक्य (2) की कोटि के गौण उपवाक्य को *विशेषण उपवाक्य* कहते हैं और वाक्य (3) की कोटि के गौण उपवाक्य को *क्रियाविशेषण उपवाक्य* कहते हैं।

जब हम विभिन्न प्रकार के मिश्र वाक्यों के बीच भेद करते हैं तो वास्तव में इन्हीं गौण उपवाक्यों के स्वरूप को आधार मानते हैं। मिश्रवाक्यों के प्रकारों को गौण उपवाक्यों के शुरू में प्रयुक्त समुच्चयबोधक शब्दों के जरिए भी पहचाना जा सकता है, जैसे "कि" "जो", "क्योंकि", "जहाँ" आदि।

ऊपर बताए गए तीन प्रकार के गौण उपवाक्यों में से संज्ञा उपवाक्यों के बारे में आप इससे पहले की इकाई 14 में विस्तार से पढ़ चुके हैं। इस इकाई में हम आपको विशेषण उपवाक्य (वाक्य 2) और क्रियाविशेषण उपवाक्य (वाक्य 3) के बारे में विस्तार से बताएँगे।

15.2 विशेषण उपवाक्य

15.2.1 विशेषण उपवाक्य की संरचना

पिछली इकाई में संज्ञा उपवाक्य के बारे में हमने बताया था कि वाक्य में इसकी भूमिका वैसी ही होती है जैसे संज्ञा की। केवल अंतर यह है कि *संज्ञा एक शब्द या पद के रूप में व्यक्त होता है जबकि संज्ञा-उपवाक्य एक उपवाक्य में रूप में व्यक्त होता है।* हमने आपको यह भी बताया था कि संज्ञा उपवाक्य से पहले अक्सर समुच्चयबोधक शब्द "कि' का प्रयोग होता है (जिसका कभी-कभी वाक्य में लोप [illegible] ता है, जैसे:

1) मैं जानता था *(कि) आप नहीं आएँगे।*

इसी प्रकार विशेषण उपवाक्य के बारे में भी हम कह सकते हैं कि *यह मुख्य उपवाक्य में प्रयुक्त किसी संज्ञा की विशेषता बताता है या उसकी व्याप्ति या फैलाव को सीमित करता है।* दूसरे शब्दों में, विशेषण-उपवाक्य मिश्र वाक्य में वही कार्य करता है जो सरल वाक्य में विशेषण करता है। केवल अंतर यह है कि *विशेषण अक्सर एक शब्द या पद के रूप में संज्ञा से पहले प्रयुक्त होता है जबकि विशेषण-उपवाक्य वाक्य में एक उपवाक्य के रूप में प्रयुक्त होता है।* इस उपवाक्य के प्रारंभ में "जो" या इसके किसी रूप का प्रयोग होता है। देखिए:

2)	क)	मेरे पास *बैटरी से चलने वाली* एक घड़ी है।	(विशेषण पद)
	ख)	मेरे पास एक घड़ी है *जो बैटरी से चलती है।*	(विशेषण उपवाक्य)
4)	क)	मेरे घर के पास एक *सौ साल* पुराना मंदिर है।	(विशेषण पद)
	ख)	मेरे घर के पास एक मंदिर है *जो सौ साल* पुराना *है।*	(विशेषण उपवाक्य)
5)	क)	बाहर एक *नीली आँखों वाली* लड़की खड़ी है।	(विशेषण पद)
	ख)	बाहर एक लड़की खडी है *जिसकी आँखें नीली हैं।*	(विशेषण उपवाक्य)
6)	क)	मैंने *पिछले साल खरीदी* गाड़ी बेच दी।	(विशेषण पद)
	ख)	मैंने वह गाड़ी बेच दी *जो पिछले साल खरीदी थी।*	(विशेषण उपवाक्य)

इन सभी वाक्यों में विशेषण तथा विशेषण-उपवाक्य दोनों मुख्य उपवाक्यों की संज्ञाओं (क्रमशः "घड़ी", "मंदिर", "लड़की" "गाड़ी") की विशेषता बताते हैं या उनकी व्याप्ति (फैलाव) को सीमित या मर्यादित करते हैं।

संज्ञा और विशेषण उपवाक्य के बीच के इस संबंध को हम इस प्रकार भी समझ सकते हैं:

2) मेरे पास एक घड़ी है जो बैटरी से चलती है।

4) मेरे घर के पास एक मंदिर है जो सौ साल पुराना है।

5) बाहर एक लड़की खड़ी है जिसकी आँखें नीली हैं।

6) मैंने वह गाड़ी बेच दी जो पिछले साल खरीदी थी।

अगर आप इन वाक्यों को ध्यान से देखें तो पता चलेगा कि जहाँ वाक्य (2, 4, 5) में विशेषण उपवाक्य संज्ञा (घड़ी, मंदिर, लड़की) की विशेषता या गुण का वर्णन कर रहे हैं, वहाँ वाक्य (6) में विशेषण उपवाक्य "गाड़ी" की विशेषता नहीं बता रहा है बल्कि उसकी व्याप्ति या फैलाव को सीमित कर रहा है। विशेषण उपवाक्य यहाँ "गाड़ी" के बोध को बहुत-सी गाड़ियों में से केवल उस खास गाड़ी तक सीमित कर रहा है जो पिछले साल खरीदी गई थी।

इस प्रकार अगर आप वाक्य में विशेषण उपवाक्य की भूमिका देखें तो पता चलेगा कि यह संज्ञा के संबंध में कई तरह की सूचना देता है, जैसे: संज्ञा की रूपगत विशेषता बताना, उसके कार्य के बारे में बताना, जाति के बहुत-से सदस्यों में से किसी एक का निर्देश या संकेत देना, विशिष्टता का बोध कराना, संज्ञा की व्याप्ति या फैलाव को सीमित करना, संज्ञा के संबंध में अतिरिक्त सूचना देना, आदि। देखिए:

5) बाहर एक लड़की खड़ी है, जिसकी आँखें नीली हैं। (रूप वर्णन)

7) जो आदमी चिट्ठी बाँटता है उसे डाकिया कहते हैं। (प्रकार्य वर्णन)

6) मैंने वह गाड़ी बेच दी जो पिछले साल खरीदी थी। (विशिष्टता का बोध)

8) जिस होटल में मैं ठहरा था वह बहुत महँगा था। (विशिष्टता का बोध)

9) मेरा एक दोस्त है जो आपके मैनेजर को जानता है। (अतिरिक्त सूचना)

10) बीरबल के कई किस्से मशहूर हैं, जिनका उल्लेख यहाँ ज़रूरी नहीं। (अतिरिक्त सूचना)

ध्यान रहे कि जब भी हम "संज्ञा" की विशेषता की बात करते हैं तो उसमें सर्वनाम भी शामिल है, क्योंकि सर्वनाम तो संज्ञा के स्थान पर ही प्रयुक्त होता है। देखिए:

11) मैं वह नहीं हूँ जिसे आप ढूँढ़ रहे हैं। ("मैं" सर्वनाम)

12) इस शहर में ऐसा कौन है जो आपको नहीं जानता? ("कौन" सर्वनाम)

15.2.2 संबंधवाचक सर्वनाम 'जो'

विशेषण उपवाक्य की एक संरचनागत पहचान यह है कि इसके प्रारंभ में अकसर संबंधवाचक सर्वनाम "जो" का प्रयोग होता है। जब इस शब्द के बाद किसी परसर्ग (ने, का, में, से, को, पर, के लिए आदि) का प्रयोग होता है तो इसका रूप थोड़ा-सा बदल जाता है। तब अकसर यह एकवचन में "जिस" और बहुवचन में "जिन" में बदल जाता है और तभी इनके बाद ऊपर बताए परसर्गों का प्रयोग होता है। इसे विकारी रूप कहते हैं। इन विकारी रूपों के कुछ उदाहरण देखिए:

एकवचन	बहुवचन
जो	जो
जिस-	जिन-
जिसने	जिन्होंने
जिसका	जिनका
जिसमें	जिनमें
जिससे	जिनसे
जिसे/जिसको	जिन्हें/जिनको
जिस पर	जिन पर
जिसके लिए	जिनके लिए

ध्यान रहे कि "जो", "जिस" तथा "जिन" के बाद संज्ञा का प्रयोग भी हो सकता है। उस स्थिति में परसर्ग का प्रयोग संज्ञा के बाद होता है, जैसे:

जो महिला	जो महिलाएँ
जिस स्त्री ने	जिन स्त्रियों ने
जिस सड़क पर	जिन सड़कों पर
जिस घर में	जिन घरों में
जिस लड़के ने	जिन लड़कों ने

कई वाक्यों में संबंधवाचक सर्वनाम "जो" अकेले नहीं, बल्कि जोड़े में आते हैं। इस जोड़े का दूसरा घटक मुख्य उपवाक्य में होता है, जैसे "वह", "वे", "ऐसा", "एक", "कोई" आदि। देखिए:

मुख्य उपवाक्य में	**विशेषण उपवाक्य में**
एक ..... जो (जिस-, जिन-)	(एक लड़का ..... जो)
कोई ..... जो	(कोई लड़का ..... जो)
कुछ ..... जो	(कुछ लड़कियाँ ..... जो)
हर ..... जो	(हर आदमी ..... जो)
वह ..... जो	(वह महिला ..... जो)
वे ..... जो	(वे लोग ..... जो)

उदाहरण देखिए :

13) पैसे *उसी* से माँगो *जिसे* तुमने उधार दिए थे।

14) *ऐसा* काम करो *जिसमें* कुछ फ़ायदा हो।

15) *जिस* आदमी को तुम नहीं पहचानते *उसे* तुम कैसे ढूँढ़ सकते हो?

16) वह लड़का तो चला गया *जिसके* लिए तुम मकान ढूँढ़ रहे थे।

17) *जिन* लोगों ने तुम्हें यह सलाह दी वे अब मुकर रहे हैं।

18) मुझे *ऐसी* पत्नी चाहिए *जो* सरकारी नौकरी करती हो।

19) हमारा *एक* पड़ोसी है *जो* बिल्कुल आपकी तरह है।

20) इन बच्चों को कुछ किताबें चाहिए *जो* रोचक और सस्ती हों।

स्थान क्रम : अभी तक आपने विशेषण उपवाक्य के जितने उदाहरण देखे उनमें वे अधिकतर वाक्य के अंतिम उपवाक्य के रूप में आए, पर हमेशा ऐसा हो—यह ज़रूरी नहीं है। हिंदी में कुछ विशेषण उपवाक्य वाक्य के प्रारंभ, मध्य और अंत—तीनों स्थानों पर आ सकते हैं और कुछ केवल मध्य और अंत में। (अंग्रेज़ी में विशेषण उपवाक्य केवल वाक्य के मध्य या अंत में ही आ सकते हैं, प्रारंभ में नहीं)। ये तीनों स्थितियाँ इस प्रकार दर्शाई जा सकती हैं:

1) मुख्य वाक्य + विशेषण उपवाक्य

2) विशेषण उपवाक्य + मुख्य उपवाक्य

3) अधूरा मुख्य उपवाक्य + विशेषण उपवाक्य + शेष मुख्य उपवाक्य

उदाहरण देखिए:

21) क) वे सब किताबें बिक गईं *जो आपने मुझे दी थीं।* (अंत में)

ख) *जो किताबें आपने मुझे दी थीं* वे सब बिक गईं। (प्रारंभ में)

ग) वे सब किताबें, *जो आपने मुझे दी थीं*, बिक गईं। (मध्य में)

नीचे दिए वाक्य में विशेषण उपवाक्य केवल दो ही स्थानों पर आ सकता है—मध्य और अंत में। यह प्रारंभ में नहीं आ सकता। देखिए:

5) क) बाहर एक लड़की, *जिसकी आँखें नीली हैं*, खड़ी है। (मध्य में)

ख) बाहर एक लड़की खड़ी है, *जिसकी आँखें नीली हैं।* (अंत में)

ग) * *जिसकी आँखें नीली हैं*, बाहर एक लड़की खड़ी है। (अशुद्ध)

15.2.3 विशेषण उपवाक्य के प्रकार

ऊपर आपने देखा कि कुछ वाक्यों में विशेषण उपवाक्यों की भूमिकाएँ कुछ भिन्नता लिए हुए होती हैं। गौर से देखने पर उनकी संरचना में भी आपको थोड़ा-बहुत अंतर मिलेगा। इस अधार पर मोटे रूप से विशेषण उपवाक्यों के दो भेद किये जाते हैं:

क) *वर्णनात्मक* विशेषण उपवाक्य, जिनमें संज्ञा के रूप, गुण या प्रकार्य का सामान्य वर्णन होता है।

ख) *निर्देशात्मक* विशेषण उपवाक्य, जिनमें संज्ञा की व्याप्ति या फैलाव को सीमित या निर्दिष्ट करने का बोध होता है।

नीचे के वाक्य देखिए:

2) मेरे पास एक घड़ी है *जो बैटरी से चलती है।*

21) वे सब किताबें बिक गईं *जो आपने मुझे दी थीं।*

वाक्य (2) में घड़ी की इस विशेषता का वर्णन है कि वह बैटरी से चलती है। यह *वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य* है। दूसरे वाक्य (21) में बहुत-सी किताबों में से केवल उन विशिष्ट किताबों तक संज्ञा की व्याप्ति या फैलाव को सीमित किया गया है जो मुझे दी गई थीं। यहाँ "पुस्तकें" विशिष्ट या निर्दिष्ट हैं—सभी पुस्तकें नहीं, केवल कुछ खास कोटि की पुस्तकें ही। यह विशेषण उपवाक्य *निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य* कहलाता है, क्योंकि यह एक प्रकार का संकेत या निर्देश देता है।

इन दो प्रकार के विशेषण उपवाक्यों में कुछ खास अंतर महत्वपूर्ण है:

क) निर्धारित शब्द वह/वे आदि

मुख्य उपवाक्य की जिन संज्ञाओं की विशेषता निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य बनाते हैं उनके साथ किसी निर्धारक शब्द (वह/वे) का प्रयोग होता है। सामान्य वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की जिन संज्ञाओं की विशेषता बताते हैं, उनके साथ सामान्यत: "एक", "कोई", "कुछ", "ऐसा" आदि का प्रयोग होता है या फिर इनमें से किसी का प्रयोग नहीं होता। इन्हें इस प्रकार दर्शाया जा सकता है:

वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य	**निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य**
ϕ	वह (उस-)
एक	वे (उन-)
कोई	
हर	
कुछ	
ऐसा	

वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य के उदाहरण देखिए:

22) यह *एक* राज़ है जो मैं किसी को नहीं बता सकता। (एक)

4) मेरे घर के पास *एक* मंदिर है जो सौ साल पुराना है। (एक)

23) यहाँ *हर* आदमी एक पहेली है *जिसे* समझना बड़ा मुश्किल है। (हर)

24) *कुछ* लोग स्वाभिमानी होते हैं जो किसी का एहसान लेना नहीं पसंद करते। (कुछ)

25) बाहर *कोई* लड़का खड़ा है जो आपसे मिलना चाहता है। (कोई)

18) मुझे *ऐसी* पत्नी चाहिए जो सरकारी नौकरी करती हो। (ऐसी)

26) दया धर्म है *जिसके* सामने शक्ति भी कुंठित हो जाती है। (*ϕ*)

निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य के उदाहरण देखिए:

27) *वह* लड़की कौन है जो आपको घूर रही है। (वह)

28) यह *उन* लोगों की सूची है *जिनसे* तुम्हें पैसे लेने हैं। (उन)

6) मैंने वह गाड़ी बेच दी जो पिछले साल खरीदी थी। (वह)

29) ये ही वे लड़कियाँ हैं जिनका मैंने कल ज़िक्र किया था। (वे)

21) वे सब किताबें बिक गईं जो आपने मुझे दी थीं। (वे)

दोनों प्रकार के विशेषण उपवाक्यों के बीच इस बारीक अंतर पर ध्यान दीजिए:

5) क) बाहर एक लड़की खड़ी है जिसकी आँखें नीली हैं। (वर्णनात्मक)

ख) बाहर वह लड़की खड़ी है जिसकी आँखें नीली हैं। (निर्देशात्मक)

ख) स्थानक्रम

निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य वाक्य के प्रारंभ, मध्य और अंत तीनों स्थानों पर प्रयुक्त हो सकते हैं, लेकिन वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य वाक्य के मध्य या अंत में ही प्रयुक्त हो सकते हैं। देखिए निर्देशात्मक उपवाक्य:

21) क) जो किताबें आपने मुझे दी थीं वे सब बिक गईं। (प्रारंभ)

ख) वे सब किताबें बिक गईं जो आपने मुझे दी थीं। (अंत)

ग) वे सब किताबें, जो आपने मुझे दी थीं, बिक गईं। (मध्य)

देखिए वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य :

4) क) मेरे घर के पास एक मंदिर है जो 100 साल पुराना है। (अंत)

ख) * जो सौ साल पुराना है, मेरे घर के पास एक मंदिर है। (अशुद्ध)

9) क) मेरा एक दोस्त है जो आपके मैनेजर को जानता है। (अंत)

ख) * जो आपके मैनेजर को जानता है, मेरा एक दोस्त है। (अशुद्ध)

ग) जो + संज्ञा

निर्देशात्मक उपवाक्य में "वह" तथा 'जो" दोनों के साथ सज्ञा का प्रयोग किया जा सकता है, वर्णनात्मक उपवाक्य में नहीं। देखिए:

21) वे सब किताबें बिक गईं जो किताबें आपने मुझे दी थीं। (निर्देशात्मक)

5) क) बाहर वह लड़की खड़ी है जिस लड़की की आँखें नीली हैं। (निर्देशात्मक)

ख) * बाहर एक लड़की खड़ी है जिस लड़की की आँखें नीली हैं। (अशुद्ध, वर्णनात्मक)

इस प्रकार आप पाएँगे कि यद्यपि निर्देशात्मक और वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य ऊपर से देखने में समान हैं लेकिन इनके प्रयोग तथा अर्थबोध में काफ़ी अंतर है।

अभ्यास 1

क) नीचे लिखे वाक्यों में दिए गए उत्तरों में से कोई एक उत्तर सही है। जो सही उत्तर हो उसे रिक्त स्थान में लिखिए:

1) संज्ञा उपवाक्य का प्रारंभ समुच्चयबोधक शब्द ..... से होता है। (जो, कि, जहाँ)

2) विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य के ..... की विशेषता बताता है। (क्रियाविशेषण, क्रियापद, संज्ञापद)

3) ..... विशेषण उपवाक्य वाक्य के प्रारंभ में प्रयुक्त होने की क्षमता रखते हैं। (वर्णनात्मक, निर्देशात्मक दोनों प्रकार के)

4) "जिस घर से" में "जिस" शब्द "जो" का ..... रूप है। (विकल्प, संज्ञा, सर्वनाम)

5) हर गौण उपवाक्य को एक ..... की आवश्यकता पड़ती है। (विशेषण उपवाक्य, मुख्य उपवाक्य, संज्ञा उपवाक्य)

ख) नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं जो कथ्य की दृष्टि से सही या गलत हैं। बताइए कौन-से वाक्य सही हैं, कौन से गलत:

1) विशेषण उपवाक्य केवल संज्ञा की विशेषता बताता है, सर्वनाम की नहीं। सही ☐ गलत ☐

2) विशेषण उपवाक्य वाक्य के अंत में ही प्रयुक्त होते हैं, प्रारंभ या मध्य में नहीं। सही ☐ गलत ☐

3) निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य संज्ञा की व्याप्ति को सीमित करता है। सही ☐ गलत ☐

4) मुख्य वाक्य की जिन संज्ञाओं की विशेषता निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य बताता है उनके साथ निर्धारक शब्द ''वह/वे'' का प्रयोग संभव है। सही ☐ गलत ☐

5) वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य से संज्ञा में विशिष्टता का बोध होता है। सही ☐ गलत ☐

ग) नीचे दिए वाक्यों में तीन प्रकार के उपवाक्य हैं:

1) वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य

2) निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य

3) संज्ञा उपवाक्य

हर वाक्य के सामने सही उपवाक्य की संख्या भरिए:

1) भगवान उसकी मदद करता है जो अपनी मदद खुद करता है। .....

2) कुछ छात्र ऐसे होते हैं जो एक भी उत्तर-पत्र पूरा नहीं करते। .....

3) वह कमीज़ फट गई जो आप बनारस से लाए थे। .....

4) ज्योतिषी कहता है कि मैं बहुत बड़ा आदमी बनूँगा। .....

5) एक राजा था जो बहुत दयालु था। .....

6) जिस मरीज़ को आपने देखा था वह ठीक हो गया है। .....

7) मुझे कोई नौकर चाहिए जो खाना बनाना भी जानता हो। .....

8) मैं जानता हूँ तुम किसे ढूँढ़ रहे हो। .....

1 क्रियाविशेषण उपवाक्य

15.3.1 क्रियाविशेषण उपवाक्य की संरचना

जिस प्रकार विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य के किसी संज्ञापद की विशेषता बताता है, उसी तरह क्रियाविशेषण उपवाक्य सामान्यतः मुख्य उपवाक्य की क्रिया की विशेषता बताता है। क्रिया की विशेषता बताने से तात्पर्य यह है कि यह कार्य-व्यापार के घटित होने के समय, स्थान, रीति, परिमाण, कारण आदि से संबंधित सूचना देता है। उदाहरण के लिए, नीचे के वाक्य देखिए:

1) जब मैं स्कूल में पढ़ता था तब आप मुझे गणित पढ़ाते थे। (समय)

2) जहाँ गुप्ताजी रहते हैं वहाँ एक सरकारी अस्पताल भी है। (स्थान)

3) जैसा लता गाती है वैसा और गायिकाएँ नहीं गा सकतीं। (रीति)

इन वाक्यों में "जब", "जहाँ", और "जैसा" से शुरू होने वाले उपवाक्य क्रियाविशेषण उपवाक्य हैं और क्रमशः पढ़ाने, स्थित होने और गाने के कार्य-व्यापार के समय, स्थान और रीति की सूचना दे रहे हैं।

क्रिया विशेषण के बारे में आप पढ़ चुके हैं कि *क्रियाविशेषण केवल क्रिया की ही विशेषता नहीं बताता, बल्कि विशेषण और स्वयं क्रियाविशेषण की भी विशेषता बताता है,* जैसे:

4) गाड़ी धीरे चल रही है। (क्रिया की विशेषता)

5) गाड़ी बहुत धीरे चल रही है। (क्रियाविशेषण "धीरे" की विशेषता)

6) गाड़ी बहुत पुरानी है। (विशेषण "पुरानी" की विशेषता)

इसी प्रकार क्रियाविशेषण उपवाक्य के संबंध में भी हम कह सकते हैं कि यह मुख्य उपवाक्य की क्रिया के साथ-साथ उसके किसी विशेषण और क्रियाविशेषण की भी विशेषता बता सकता है, जैसे:

7) शीला इतनी कमज़ोर हो गई है कि वह बिस्तर से भी नहीं उठ सकती। (विशेषण "कमज़ोर" की विशेषता)

8) गाड़ी ऐसे धीरे चल रही है जैसे बैलगाड़ी हो। (क्रियाविशेषण "धीरे" की विशेषता)

ऊपर के वाक्यों (1-3, 7-8) में "जब", "जहाँ", "जैसा", "कि" और "जैसे" से शुरू होने वाले उपवाक्य गौण उपवाक्य हैं और शेष मुख्य उपवाक्य। देखिए:

गौण उपवाक्य (क्रियाविशेषण उपवाक्य)	**मुख्य उपवाक्य**
जब मैं स्कूल में पढ़ता था	तब आप मुझे गणित पढ़ाते थे।
जहाँ गुप्ता जी रहते हैं	वहाँ एक सरकारी अस्पताल भी है।
जैसा लता गाती है	वैसा और गायिकाएँ नहीं गा सकतीं।
कि वह बिस्तर से नहीं उठ सकती	शीला इतनी कमज़ोर हो गई है।
जैसे बैलगाड़ी हो	गाड़ी ऐसे धीरे चल रही है।

ऊपर के वाक्यों से क्रियाविशेषण उपवाक्यों की दो और विशेषताओं का पता चलेगा। पहला तो यह कि क्रियाविशेषण उपवाक्य वाक्य के प्रारंभ में ही आएँ यह ज़रूरी नहीं। कई क्रियाविशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य के बाद भी आते हैं, जैसे वाक्य (7-8) में।

दूसरे, सभी गौण उपवाक्यों के प्रारंभ में, "जब", "जहाँ", "जैसा", "कि", "जैसे" आदि शब्दों का प्रयोग हुआ है और सभी मुख्य उपवाक्यों में क्रमशः "तो", "वहाँ", "वैसा", "इतनी", "ऐसे" आदि शब्दों का प्रयोग हुआ है। अतः ये सभी शब्द अकेले नहीं, बल्कि जोड़े के रूप में आते हैं, जिनमें से एक घटक गौण उपवाक्य के शुरू में प्रयुक्त होता है और दूसरा मुख्य उपवाक्य में, जैसे "जब.....तब/तो' "जहाँ....वहाँ" "जैसा....वैसा", "इतना....कि", "ऐसे....जैसे"। इस प्रकार के सभी शब्दों को हमने समुच्चयबोधक शब्द कहा है, लेकिन इनमें से जो शब्द क्रियाविशेषण उपवाक्य के प्रारंभ में प्रयुक्त होते हैं उन्हें **संबंधवाचक क्रियाविशेषण** भी कहते हैं जैसे, "जब", "जहाँ", "जैसा", "जैसे" आदि। इसी प्रकार इनमें से जो शब्द मुख्य उपवाक्य में जुड़ते हैं उन्हें **नित्यसंबंधी शब्द** कहते हैं, जैसे "तब", "तो", "वहाँ", "वैसा", "कि" आदि।

इन दोनों घटकों में से क्रियाविशेषण उपवाक्य में प्रयुक्त होने वाले संबंधवाचक शब्द (जब, जहाँ, जैसा, जैसे, कि आदि) सामान्यतः अनिवार्य हैं जबकि मुख्य उपवाक्य में प्रयुक्त होने वाले कुछ नित्यसंबंधी शब्दों (तब, तो, वहाँ, वैसा, वैसे) का कभी-कभी ऐच्छिक लोप भी हो जाता है, जैसे:

1) जब मैं स्कूल में पढ़ता था, (तब) आप मुझे गणित पढ़ाते थे।

9) जब आप आए, (तो) खाना खत्म हो चुका था।

10) जब भी मैं इस लड़के को देखता हूँ (तो) मुझे अपना बचपन याद आ जाता है।

11) जहाँ भी मैं जाऊँगा, (वहाँ) तुम्हारे गुण गाऊँगा।

3) जैसा लता गाती है, (वैसा) और गायिकाएँ नहीं गा सकतीं।

12) जैसे ही उन्होंने ख़बर सुनी, (वैसी ही) वे रो पड़े।

13) जैसा तुम कहोगे, (वैसा) मैं करूंगा।

15.3.2 क्रियाविशेषण उपवाक्य के प्रकार

क्रियाविशेषण के पाठ में आप क्रियाविशेषण के विभिन्न प्रकारों के बारे में पढ़ चुके हैं, जैसे समयवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक क्रियाविशेषण आदि। क्रियाविशेषण उपवाक्यों के भेद भी सामान्यतः इन्हीं आधारों पर किए जाते हैं। मोटे रूप से क्रियाविशेषण उपवाक्यों के आठ भेद किए जा सकते हैं। जैसा कि आप ऊपर पढ़ चुके हैं, *क्रियाविशेषण उपवाक्य की हर कोटि अपने संबंधवाचक तथा नित्यसंबंधी शब्दों के आधार पर पहचानी जा सकती है।* इसलिए हम सबसे पहले इन संबंधवाचक तथा नित्यसंबंधी शब्दों के साथ क्रियाविशेषण उपवाक्यों के आठ प्रकारों की सूची प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके बाद इनके उदाहरण दिए जाएँगे।

	प्रकार	क्रियाविशेषण उपवाक्य में	मुख्य उपवाक्य में
1.	**समयवाचक**	जब	तब/तो
		जब तक	तब तक
		जब से	तब से
		जब कभी	तब
		जब-जब	तब-तब
		ज्योंही	त्योंही
		जैसे ही	वैसे ही
2.	**स्थानवाचक**	जहाँ	वहाँ/वहीं
		जहाँ तक	वहाँ तक
		जहाँ से	वहाँ से
		जहाँ-जहाँ	वहाँ-वहाँ
		जिधर	उधर
3.	**रीतिवाचक**	जैसा	वैसा
		जैसे	वैसे/ऐसे
		मानों	ऐसे
4.	**परिमाणवाचक**	ज्यों-ज्यों	त्यों-त्यों
		जैसे-जैसे	तैसे-तैसे
		जितना	उतना
		कि	इतना
5.	**कारणवाचक**	क्योंकि	इसलिए/ϕ
		चूंकि	इसलिए
		इसलिए	कि
6.	**शर्तवाचक**	यदि/अगर	तो
7.	**विरोधवाचक**	यद्यपि	तथापि
		हालाँकि	फिर भी
		चाहे	तो भी
8.	**प्रयोजनवाचक**	जिससे/ताकि	–
		कहीं	–

ऊपर बताए गये क्रियाविशेषण उपवाक्यों के प्रकारों के उदाहरण नीचे दिए जा रहे हैं। कोष्ठक में दिए नित्यसंबंधी शब्दों का ऐच्छिक लोप संभव है:

1. समयवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे घटना या कार्य से संबंधित समय या काल का बोध होता है।

1) जब मैं स्कूल में पढ़ता था (तब/तो) आप मुझे गणित पढ़ाते थे।

14) जब टेलिफ़ोन की घंटी बजी (तो/तब) मैं खाना खा रहा था।

15) जब तक तुम पैसे नहीं दोगे (तब तक) तुम्हारा काम नहीं बनेगा।

16) जब से हमारे घर टी.वी. आया है (तब से) घर की शांति भंग हो गई है।

17) जब कभी इधर से निकलें (तो) हमारे घर ज़रूर आएँ।

18) जब-जब संसार में अन्याय हुआ (तब-तब) भगवान ने अवतार लिया।

19) ज्योंही बारिश रुकी, (त्योंही) हम चल पड़े।

20) जैसे ही मेरा नाम पुकारा गया (वैसे ही) लोग खुशी से उछल पड़े।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे घटना या कार्य से संबंधित स्थल का बोध होता है।

2) जहाँ गुप्ताजी रहते हैं वहीं एक सरकारी अस्पताल भी है।

21) जहाँ आप जा रहे हैं वहाँ कोई सिनेमाघर नहीं है।

22) मैं वहाँ नहीं रहता जहाँ आप पिछली बार आए थे।

23) यह वही जगह है जहाँ आप पिछली बार ठहरे थे।

24) जहाँ तक यह बस जाएगी (वहाँ तक) मैं आपको छोड़ सकता हूँ।

25) जहाँ से आप यह साड़ी लाईं वहीं से मैं भी लाई।

26) जहाँ-जहाँ आप जाएँगे (वहाँ-वहाँ) पत्रकार भी पहुँच जाएँगे।

27) जिधर ये लोग जा रहे हैं (उधर ही) तुम भी चले जाओ।

3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे कार्य-व्यापार की रीति या तरीके का बोध होता है।

3) जैसा लता गाती है (वैसा) और गायिकाएँ नहीं गा सकतीं।

28) जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं हो पाता।

29) जैसा सुंदर आपका मकान है वैसा मेरा नहीं।

30) जैसे तुम मुझे चाहते हो वैसे ही वह भी मुझे चाहता है।

31) जैसे आप सरकार के नौकर हैं वैसे मैं भी हूँ।

32) आप तो ऐसे कह रहे हैं मानो इससे आपका कोई संबंध ही नहीं।

4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे अधिकता, तुल्यता, न्यूनता तथा अनुपात आदि का बोध होता है।

33) ज्यों-ज्यों परीक्षा पास आ रही है (त्यों-त्यों) मैं 'नरवस' होता जा रहा हूँ।

34) जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जाती है (वैसे-वैसे) सभी जानवर घने जंगलों की ओर चले जाते हैं।

35) जितना तुम चाहते हो उतना मैं शायद न दे पाऊँ।

7) शीला इतनी कमज़ोर हो गई है कि वह बिस्तर से भी नहीं उठ सकती।

5. कारणवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे घटना या कार्य-कारण भाव का बोध होता है।

36) क्योंकि मैं भी उम्मीदवार हूँ इसलिए मुझे भी इन कागज़ात की जरूरत पड़ेगी।

37) मैं नहीं आ सकता क्योंकि मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है।

38) चूंकि मेरा नाम भी सूची में है इसलिए मुझे भी तैयार रहना होगा।

39) डॉक्टर ने मरीज़ को इसलिए बुलाया कि वे उसका परीक्षण कर सकें।

40) मैं इसलिए नहीं जा सकता था कि मेरी गाड़ी ख़राब थी।

6. शर्तवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे कार्य या घटना के संबंध में किसी शर्त या अनुबंध का बोध होता है।

41) यदि आप चाहें तो अब भी अपना नाम वापस ले सकते हैं।

42) अगर मेरी बात सच निकली तो आप जो चाहे मुझे सज़ा दे सकते हैं।

43) अगर आपको मनमानी ही करनी थी तो मुझसे क्यों पूछा था?

7. विरोधवाचक क्रियाविशेषण उपवाक्य

इसे कुछ विद्वान रियायतवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य भी कहते हैं। इससे दो कार्यों पर घटनाओं के बीच विरोधाभास या विरोधी सूचना का बोध होता है।

44) यद्यपि साहब मेरे पुराने दोस्त हैं, (फिर भी) मैं उनका एहसान नहीं लेना चाहता।

45) हालांकि उन्होंने मुझे पूरी छूट दे दी थी, (फिर भी) मैंने बाहर जाना ठीक नहीं समझा।

46) चाहे वे कुछ भी क्यों न कहें, (तो भी) मैं उनका निरादर नहीं कर सकता।

47) चाहे तुम कितने ही बड़े क्यों न हो जाओ (तो भी) रहोगे वही मक्खीचूस।

8. प्रयोजनवाची क्रियाविशेषण उपवाक्य

इससे कार्य या घटना के प्रयोजन का बोध होता है।

48) लेन-देन की बात पहले ही साफ़ कर लो जिससे बाद में गलतफ़हमी न रहे।

49) दरवाज़ा खोल दो ताकि ताज़ी हवा भीतर आए।

50) इसके बाद बरतन का ढक्कन खोल दें जिससे भाप बाहर निकल जाए।

51) जल्दी करो कहीं गाड़ी छूट न जाए।

ऊपर आपने क्रियाविशेषण उपवाक्यों के प्रकार तथा उनके उदाहरण-वाक्य देखे। कभी-कभी कुछ उपवाक्य विशेषण उपवाक्य तथा क्रियाविशेषण उपवाक्य दोनों की भूमिका निभाते हुए देखे जा सकते हैं। देखिए:

52) जिस समय मैं स्कूल में पढ़ता था, उस समय आप मुझे गणित पढ़ाते थे।

53) जिस जगह गुप्ता जी रहते हैं उस जगह एक सरकारी अस्पताल भी है।

54) जितना धन तुम चाहते हो उतना धन मैं शायद न दे पाऊँ।

55) जैसा लड़का तुम चाहते थे वैसा ही लड़का तुम्हें मिल गया।

56) जिस रास्ते तुम जाओगे, उसी रास्ते मैं भी जाऊँगा।

इन वाक्यों के संबंधवाचक शब्दों पर ध्यान दीजिए। "जिन", "जितना", "जैसा" के बाद संज्ञा का प्रयोग हुआ है, इसलिए व्याकरण की दृष्टि से ये शब्द विशेषण सिद्ध होते हैं, लेकिन इनका प्रकार्य या अर्थबोध वाक्य में वही है जो क्रियाविशेषण का है। देखिए:

विशेषण + संज्ञा		**क्रियाविशेषण**
जिस समय	=	जब
जिस जगह	=	जहाँ
जितना धन	=	जितना
जैसा लड़का	=	जैसा
जिस रास्ते	=	जिधर

ऊपर बताए गए दोनों रूपों से लगभग समान अर्थबोध होता है और यह अर्थबोध समय तथा स्थान से जुड़े होने के कारण क्रियाविशेषण के अधिक निकट है, लेकिन व्याकरण की दृष्टि से विशेषण तथा संज्ञा का संयोग होने के कारण वाक्य (52-56) के गौण उपवाक्यों को विशेषण उपवाक्य ही माना जाना चाहिए।

अभी तक हमने विशेषण उपवाक्य तथा क्रियाविशेषण उपवाक्य के जितने उदाहरण दिए हैं उनमें केवल दो ही उपवाक्य वाले वाक्य हैं। ऐसे वाक्य भी संभव हैं जिनमें विशेषण उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य दोनों मिलकर एक साथ आए हों या एक ही प्रकार के दो या अधिक उपवाक्य एक ही वाक्य में प्रयुक्त हुए हों, जैसे:

57) आपने वह दवा कहाँ रखी जो आपने उस दुकान से खरीदी थी जिसमें रमेश काम करता है।
(मुख्य उपवाक्य + विशेषण उपवाक्य + क्रियाविशेषण उपवाक्य)

58) रामलाल ने वह कार, जो उसका लड़का चला रहा है, तब खरीदी थी जब वह कॉलेज में पढ़ता था।
(मुख्य उपवाक्य + विशेषण उपवाक्य + क्रियाविशेषण उपवाक्य)

59) जहाँ आप रहते हैं वहाँ एक सरकारी अस्पताल है जिसमें अक्सर बहुत भीड़ रहती है।
(क्रियाविशेषण उपवाक्य + मुख्य उपवाक्य + क्रियाविशेषण उपवाक्य)

अभ्यास 2

क) कोष्ठक में दिए उत्तरों में से कोई एक उत्तर सही है। सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए:

1) ..... से शर्तवाचक क्रियाविशेषण का बोध होता है:
(यद्यपि–तथापि, जैसे–वैसे, अगर–तो)

2) ..... उपवाक्य विशेषण की भी विशेषता बताता है।
(संज्ञा, विशेषण, क्रियाविशेषण)

3) "जब-तब" और "जहाँ-तहाँ" में "तब" और "वहाँ" ..... शब्द कहलाते हैं।
(संबंधवाचक, नित्यसंबंधी, विशेषण)

4) "क्योंकि" तथा "चूंकि" से शुरू होने वाले क्रियाविशेषण उपवाक्य से ..... का बोध होता है।
(रीति, कारण, प्रयोजन)

5) "जिस दिन" में "जिस" का प्रयोग ..... के रूप में हुआ है।
(क्रियाविशेषण, विशेषण, नित्यसंबंधी शब्द)

ख) नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं जो कथ्य की दृष्टि से सही या गलत हैं। बताइए कौन-से वाक्य सही हैं, कौन-से गलत?

1) क्रियाविशेषण उपवाक्य क्रिया के अलावा क्रियाविशेषण और विशेषण की भी विशेषता बताता है। सही ☐ गलत ☐

2) क्रियाविशेषण उपवाक्य हमेशा वाक्य के प्रारंभ में ही आता है। सही ☐ गलत ☐

3) यह जरूरी नहीं कि सभी क्रियाविशेषण उपवाक्य गौण उपवाक्य हों। सही ☐ गलत ☐

4) क्रियाविशेषण उपवाक्यों में से संबंधवाचक शब्द "जहाँ", "जब", और "जैसे" का ऐच्छिक लोप संभव है। सही ☐ गलत ☐

5) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण से अधिकता, न्यूनता, तुल्यता या अनुपात का बोध होता है। सही ☐ गलत ☐

ग) क्रियाविशेषण उपवाक्य के आठ प्रकार हैं–समयवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक कार्यकारणवाचक, शर्तवाचक, विरोधवाचक, प्रयोजनवाचक। नीचे दिए क्रियाविशेषण उपवाक्यों के सामने उनके सही प्रकार लिखिए:

1) ज्योंही घंटी बजी, चपरासी फ़ौरन भीतर आया .....

2) सूची में जहाँ-जहाँ मेरा नाम है, वहाँ-वहाँ निशान लगा दें। .....

3) मैं आज बाज़ार नहीं जा पाऊँगा, क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं हैं। .....

4) चूंकि मैं वादा कर चुका हूँ, इसलिए मेरे लिए जाना ज़रूरी है। .....

5) वह इतना कंजूस है कि दिन में केवल एक बार ही खाता है। .....

6) गाड़ी कुछ किनारे खड़ी कर लें ताकि रास्ता न रुके। .....

7) अगर आप बुरा न मानें तो एक बात कहूँ। .....

8) चाहे तुम मुझे मार डालो, मैं यह राज नहीं बता सकता। .....

घ) नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं जिनके उपवाक्यों पर 1 या 2 अंक लिखे हैं। इन वाक्यों के सामने वाले स्थान में सही गौण उपवाक्य का अंक 1 या 2 लिखिए:

सुधीर इतना अभिमानी है (1) कि अपने पड़ोसियों से भी बात नहीं करता। (2) ☐

2) मैं चाहता था (1) कि तुम भी मेरे साथ चलते। (2) ☐

3) जिस आदमी को तुम ढूँढ़ रहे हो (1) वह मैं ही हूँ। (2) ☐

4) एक और लड़का है (1) जिसका नाम मैं भूल गया हूँ। (2) ☐

5) तुम ऐसे देख रहे हो (1) जैसे मैं ही इसके लिए जिम्मेवार हूँ। (2) ☐

6) यद्यपि उम्र में मैं आपसे छोटा हूँ, (1) लेकिन आपसे ज़्यादा अनुभवी हूँ। (2) ☐

7) जैसे ही गाड़ी आई, (1) वैसे ही लोगों में भगदड़ मच गई। (2) ☐

च) ऊपर दिए अभ्यास 7 के वाक्यों के गौण उपवाक्यों का सही प्रकार लिखिए कि वे संज्ञा उपवाक्य हैं, विशेषण उपवाक्य हैं या क्रियाविशेषण उपवाक्य हैं:

वाक्य 1) ..... उपवाक्य
वाक्य 2) ..... उपवाक्य
वाक्य 3) ..... उपवाक्य
वाक्य 4) ..... उपवाक्य
वाक्य 5) ..... उपवाक्य
वाक्य 6) ..... उपवाक्य
वाक्य 7) ..... उपवाक्य

15.4 सारांश

आपने इस इकाई में मिश्रवाक्यों के तीन प्रकारों में से दो प्रकारों (विशेषण उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य) की संरचना और विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। आपने पढ़ा कि–

- विशेषण उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की संज्ञा की विशेषता बताता है या उसकी व्याप्ति को सीमित करता है।
- विशेषण उपवाक्य के प्रारंभ में सामान्यतः "जो" या इसके किसी विकारी रूप (जिस, जिन) का प्रयोग होता है।
- विशेषण उपवाक्य के दो भेद होते हैं–वर्णनात्मक और निर्देशात्मक।
- वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य में संज्ञा के रूप, गुण या प्रकार्य का सामान्य वर्णन होता है।
- निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य में संज्ञा की व्याप्ति को सीमित, विशिष्ट या मर्यादित करने का बोध होता है।
- कुछ विशेषण उपवाक्य वाक्य के प्रारंभ, मध्य तथा अंत में प्रयुक्त होकर आते हैं और कुछ केवल मध्य और अंत में ही आते हैं।
- क्रियाविशेषण उपवाक्य सामान्यतः क्रिया की और कभी-कभी विशेषण और स्वयं क्रियाविशेषण की विशेषता बताते हैं।
- क्रियाविशेषण उपवाक्यों के प्रारंभ में संबंधवाचक शब्द (जैसे, "जब", "जहाँ", "जैसा" आदि) प्रयुक्त होते हैं और मुख्य उपवाक्यों के प्रारंभ या बीच में "तब",

"वहाँ", "वैसा" आदि नित्यसंबंधी शब्द प्रयुक्त होते हैं जिनका कभी-कभी वाक्य में लोप भी हो सकता है।

- क्रियाविशेषण उपवाक्य मुख्यतः आठ प्रकार के होते हैं--समयवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक, कारणवाचक, शर्तवाचक, विरोधवाचक तथा प्रयोजनवाचक।
- "जिस", "जिन", "जैसा" आदि कई संबंधवाचक शब्द क्रियाविशेषण का अर्थ देते हुए भी संरचना की दृष्टि से विशेषणात्मक उपवाक्य के अधिक निकट होते हैं, जैसे "जिस दिन", "जिन लोगों ने" और "जैसा लड़का"।

15.5 शब्दावली

इस पाठ में आपको निम्नलिखित विशिष्ट शब्दावली की जानकारी मिली :

क्रियाविशेषण उपवाक्य
विशेषण उपवाक्य
आश्रित उपवाक्य
स्वतंत्र उपवाक्य
गौण उपवाक्य
समुच्चयबोधक शब्द
संबंधवाचक सर्वनाम
संबंधवाचक क्रियाविशेषण
स्थानक्रम
परसर्ग
प्रयोजनवाचक क्रियाविशेषण
वर्णनात्मक विशेषण उपवाक्य
निर्देशात्मक विशेषण उपवाक्य
निर्धारक शब्द
ऐच्छिक लोप
समयवाचक क्रियाविशेषण
स्थानवाचक क्रियाविशेषण
रीतिवाचक क्रियाविशेषण
परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
कारणवाचक क्रियाविशेषण
शर्तवाचक क्रियाविशेषण
विरोधवाचक क्रियाविशेषण

15.6 कुछ उपयोगी पुस्तकें

1. *हिंदी व्याकरण*, कामताप्रसाद गुरु (1920) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*, सूरजभान सिंह (1985) साहित्य सहकार, दिल्ली।
3. *हिंदी भाषा की वाक्य संरचना*, संपादक: भोलानाथ तिवारी (1986) साहित्य सहकार, दिल्ली।

15.7 बोध प्रश्नों/अभ्यासों के उत्तर

अभ्यास 1

क.	1) कि	2) संज्ञापद	3) निर्देशात्मक	4) विकारी	5) मुख्य उपवाक्य
ख.	1) गलत	2) गलत	3) सही	4) सही	5) गलत
ग.	1) 2	2) 1	3) 2	4) 3	5) 1
	6) 2	7) 1	8) 3		

क. 1) अगर–तो 2) क्रियाविशेषण 3) नित्यसंबंधी 4) कारण 5) विशेषण

ख. 1) सही 2) गलत 3) गलत 4) गलत 5) सही

ग. 1) समयवाचक 2) स्थानवाचक 3) कारणवाचक 4) कारणवाचक
5) परिमाणवाचक 6) प्रयोजनवाचक 7) शर्तवाचक 8) विरोधवाचक

घ. 1) 2 2) 2 3) 1 4) 2
5) 2 6) 1 7) 1

8. 1) क्रियाविशेषण उपवाक्य
2) संज्ञा उपवाक्य
3) विशेषण उपवाक्य
4) विशेषण उपवाक्य
5) क्रियाविशेषण उपवाक्य
6) क्रियाविशेषण उपवाक्य
7) क्रियाविशेषण उपवाक्य